३. गायन

३.१ अंकगीत

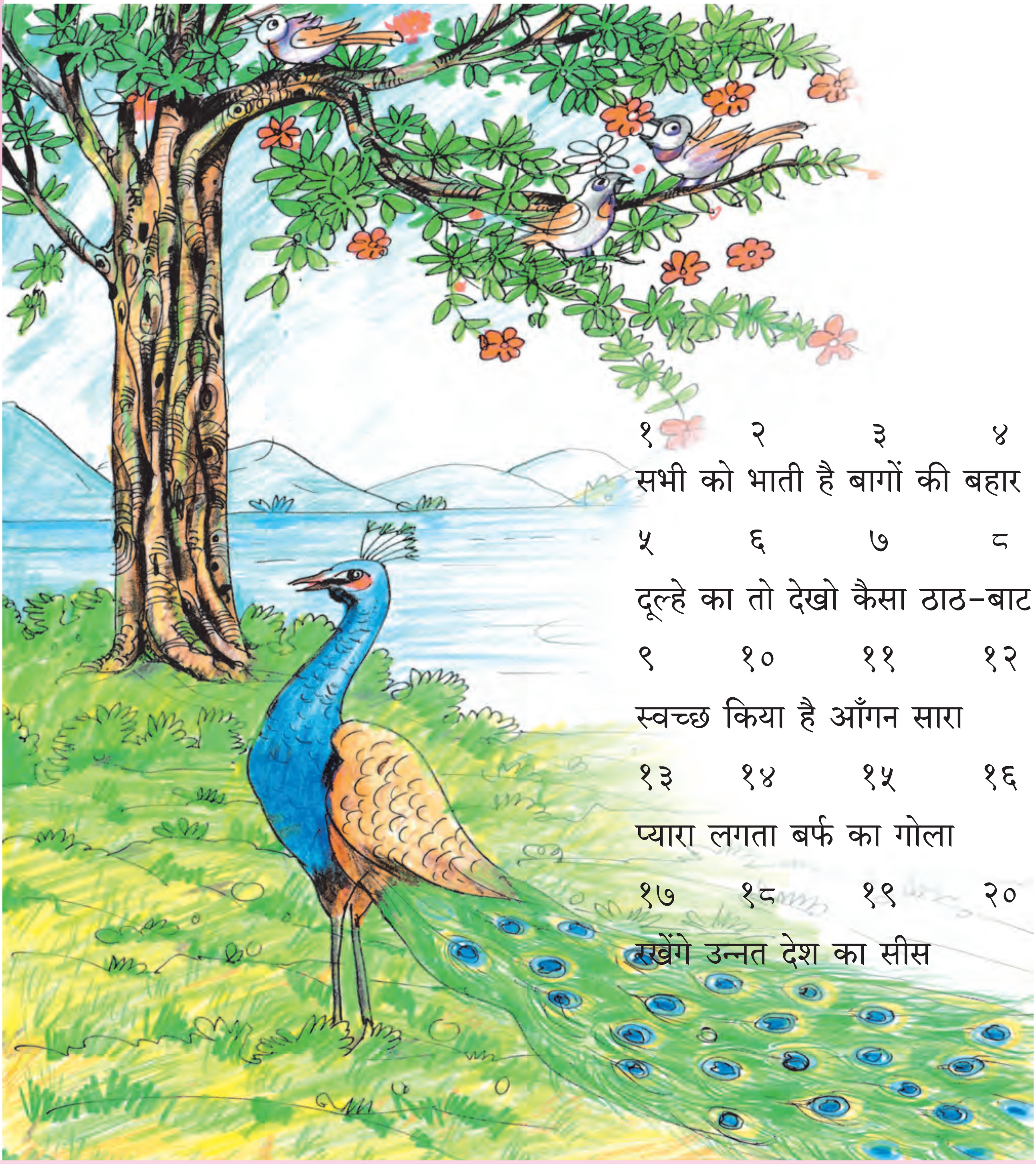

१ २ ३ ४
सभी को भाती है बागों की बहार
५ ६ ७ ८
दूल्हे का तो देखो कैसा ठाठ-बाट
९ १० ११ १२
स्वच्छ किया है आँगन सारा
१३ १४ १५ १६
प्यारा लगता बर्फ का गोला
१७ १८ १९ २०
रखेंगे उन्नत देश का सीस

स्वरों की सहायता से गायन में संगीतमय ध्वनियों की निर्मिति की जाती है। विभिन्न वाद्‌यों की सहायता से गायन किया जाता है, ऐसा नहीं है बल्कि उत्स्फूर्त रूप से और स्वयं के आनंद के लिए हम जो गाना गुनगुनाते हैं, उसे भी गायन कह सकते हैं। अभ्यास के लिए गीत गवा लें।

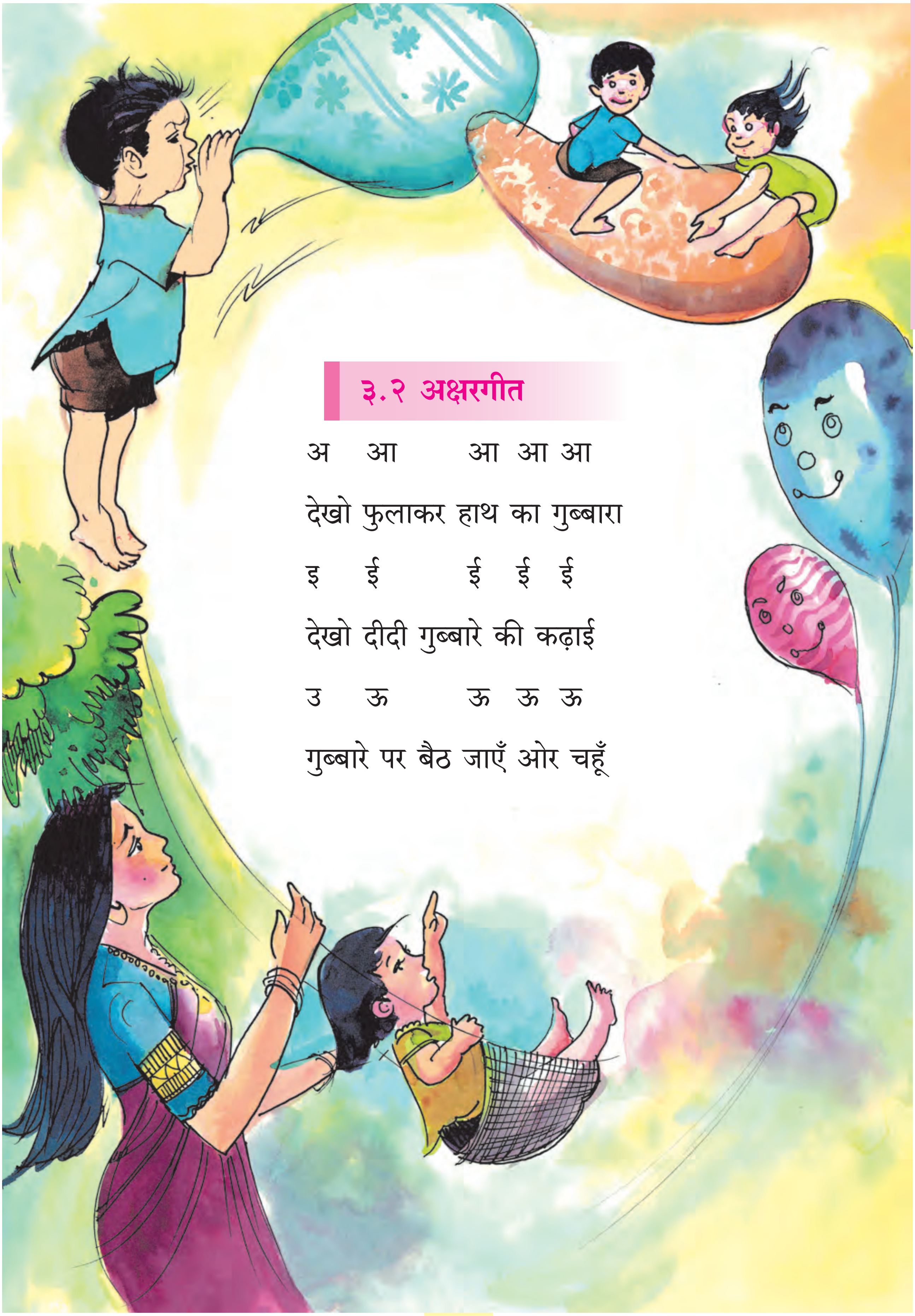

३.२ अक्षरगीत

अ आ आ आ आ
देखो फुलाकर हाथ का गुब्बारा
इ ई ई ई ई
देखो दीदी गुब्बारे की कढ़ाई
उ ऊ ऊ ऊ ऊ
गुब्बारे पर बैठ जाएँ ओर चहूँ

३.३ गीतमय कहानी

खरगोश और कछुआ

एक था खरगोश
एक था कछुआ
खरगोश था बड़ा ही चपल
कछुआ भी था बड़ा होशियार
खरगोश बोला दौड़ लगाएँ
कछुआ बोला दौड़कर देखें
खरगोश लगा तेज दौड़ने
कछुआ चले पसीने–पसीने

आस–पास थी हरी घास
मिला खरगोश को भोजन खास
कछुआ चलता गरदन झुलाते
खरगोश को सपने जीत के आते
जीता अंत में दौड़ यह कछुआ
घमंड क ढोल खरगोश का फूटा

RLKS41